

सर्वोत्तम अभ्यास: प्रभावित व्यक्तियों के बीच भ्रम के प्रभावों को कम करने के लिए व्यवहार -आधारित सहयोगी परामश'

उप-विषय

- भ्रम, भेदभाव और बहिष्कार में कमी

लक्षित दर्शक (गण)

- नीति नेता
- स्वास्थ्य कमचारी
- कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति
- दाताओं

योगदानकर्ता

टी लेट्टा, एस कडेल, डब्ल्यू एच वैन ब्रेकेल, एम एम लुस्ली, आर एम एच पी टस', दादुन

मुख्य संदेश

सहकम परामश', प्रभावित व्यक्तियों और उनके पिरवारों पर स्वास्थ्य संबंधी भ्रम और भेदभाव के प्रभावों को दूर करने के लिये आमतौर पर इस्तेमालकियाजाने वाला हस्तक्षेप है। सिद्धांत यह है कि साथियों को नकारात्मक प्रभावों और इन पर काबू पाने के तरीकों का व्यक्तिगत अनुभव हो। अतिरिक्त प्रिशक्षण के साथ, वे समान पिरिस्थितियों में दूसरों की मदद करने के लिये सर्वोत्तम स्थिति में होते है।

मुख्य सूचनादाता / प्रस्तुति तिथि

विम वैन ब्रेकेल, नीदरलैंड कुष्ठ रोग राहत अगस्त 2019

सर्वोत्तम अभ्यास का विवरण

परिचय

इंडोनेशिया के कई क्षेत्रों में समुदाय, धार्मिक नेताओं और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के बीच कुष्ठ रोग के प्रति भ्रम का स्तर बहुत उंचा है। कुष्ठ रोग से संबंध में भ्रम के पिरणाम स्वरूप प्रभावित व्यक्तियों पर कई तरह के नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते ह, जिन में खराब मानिसक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता, सामाजिक भागीदारी में प्रितबंध और रोजगार, िशक्षा, िरशतों आिद की हािनि शामिल है (1-4)।

सशिकतकरण में मानव अधिकारों के प्रित जागरूकता एक महत्वपूर्ण उपकरण ह।

उद्देश्य और कार्यप्रणाली

अधिकार-आधारित सहकम परामश' हस्तक्षेप का प्राथिमक उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना था, सामाजिक भागीदारी

सर्वोत्तम अभ्यास: प्रभावित व्यक्तियों के बीच भ्रम के प्रभावों को कम करने के लिए व्यवहार -आधारित सहयोगी परामश'

और कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के बीच विभिन्न प्रकार के भ्रम की धारणा और अनुभव को कम करना।
पिरयोजना के उद्देश्य थे

- कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता, उनकी सामाजिक भागीदारी, उनके प्रत्याशीत, अनुभवी और आंतरिक भ्रम और उनकी प्रकटीकरण चिंताओं के संबंध में भ्रम पर प्रभाव को कम करना
- सहकर्म परामर्श दाताओं और परामर्श दाताओं के बीच मानव अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना
- कुष्ठ रोग के ज्ञान में सुधार करना
- कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों को सशक्त बनाना जिन्होंने सहकर्म -परामर्श हस्तक्षेप में भाग लिया

अभ्यास का कार्यान्वयन

प्रशिक्षण सामग्री के रूप में अधिकार-आधारित परामर्श मॉड्यूल (आर बी सी एम) विकसित किया गया था। इस मॉड्यूल का उपयोग आम और सहकर्म परामर्श दाताओं के साथ किया जा सकता है। भ्रम आकलन और प्रभाव न्यूनीकरण (एस ए आर आई) पिरयोजना। संभावित सामान्य और सहकर्म परामर्श दाताओं के रूप में 28 लोगों का चयन किया। इन व्यक्तियों ने 56 घंटे के आर बी सी एम प्रशिक्षण में भाग लिया और 23 परामर्श दाता बन गए। परामर्श में पाँच सत्र शामिल थे: दो व्यक्तिगत सत्र; एक पारिवारिक परामर्श; और दो समूह परामर्श।

एस ए आर आई पिरयोजना 2011 और 2015 के बीच इंडोनेशिया के सिरेबन ज़िले में संचालित की गई थी। आर बी सी एम काविवरण लुस्ली एट अल (5,6) के पत्रों में पाया जा सकता है। इस में शामिल मुख्य व्यक्ति कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्ति, सरकारी स्वास्थ्य कार्यकर्ता और स्थानीय विकलांग लोगों के संगठन (डी पी ओ) के सदस्य थे। एक पी एच डी छात्र और अनुसंधान सहायक ने प्रशिक्षण किया और प्रक्रिया का मार्गदर्शन किया।

अधिकार-आधारित सहकर्म परामर्श हस्तक्षेप में स्वयंसेवी सहकर्म परामर्श दाताओं सहित कम लागत वाली विधियों और सामग्रियों का उपयोग किया गया। लागत सहकर्म परामर्श दाताओं के प्रशिक्षण और हस्तक्षेपों की सतत निगरानी में शामिल है। सहकर्म परामर्श दाताओं के लिए भी सहायता की आवश्यकता है।

पिरणाम – आउटपुट और पिरणाम

एस ए आर आई पिरयोजना ने 207 परामर्श ग्राहकों के साथ आर बी सी एम के उपयोग का सफल परीक्षण किया। पिरणामों से पता चला कि आर बी सी एम का उपयोग करके प्रशिक्षित सहकर्म परामर्श दाता, परामर्श ग्राहकों के बीच एस ए आर आई भ्रम पैमाने, भागीदारी पैमाने लघु और डब्ल्यू एच ओ जीवन की गुणवत्ता पैमाने के पहले और बाद के कुल स्कोर के बीच एक महत्वपूर्ण कमी हासिल करने में सक्षम थे।

गुणात्मक आंकड़ों से संकेत मिलता है कि मानव अधिकारों का ज्ञान और जागरूकता पिरवतन को गति देती है। ग्राहकों ने अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए जैसे पड़ोसियों से जुड़ना, घरेलू गतिविधियों में मदद करना और नौकरियों के लिये आवेदन करना। चुनौतियों में प्रशिक्षु परामर्श दाताओं की अपनी स्थिति को छिपाने की इच्छा और इस प्रकार के काम के प्रति रुचि रखने वाले व्यक्तियों का चयन करना शामिल है।

सीखें गए सबक

सीखें गए सबक सीखें गए प्रमुख सबक निम्नलिखित थे:

- परामर्शदाता और ग्राहक के बीच प्रारंभिक संपर्क महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस बिंदु पर ग्राहक यह निर्धारित करते हैं कि सर्वोत्तम अभ्यास: प्रभावित व्यक्तियों के बीच भ्रम को कम करने के लिए व्यवहार -आधारित सहयोगी परामर्श

- परामर्श लाभकारी हो सकता है या नहीं और इसलिए यदि वे परामर्श शुरू करना चाहते हैं या नहीं
- कुष्ठ रोग की बीमारी के बारे में ज्ञान साझा करना (यानी, सूचना के सरल प्रसार से परे जाना) आम और सहकर्मी परामर्शदाताओं के मुख्य कार्यों में से एक था
 - परामर्शदाताओं के लिए आवश्यक सबसे महत्वपूर्ण कौशल में सक्रिय रूप से सुनना शामिल है, सहानुभूति दिखाना, प्रभावी प्रश्न पूछना और ग्राहकों को खुद पर विश्वास रखने के लिए प्रेरित करना सर्वोत्तम अभ्यास: प्रभावित व्यक्तियों के बीच कलंक के परिणामों को कम करने के लिए अधिकार-आधारित सहकर्मी परामर्श 2 zeroleprosy.org शून्य कुष्ठ रोग सर्वोत्तम अभ्यास
 - सहकर्मी परामर्शदाता अपने साथियों के प्रति एक उच्च जिम्मेदारी महसूस करते हैं। यह जिम्मेदारी, उनके जीवित अनुभव और ग्राहकों और सहकर्मी परामर्शदाता के बीच उच्च विश्वास के साथ, परामर्शदाताओं की तुलना में सहकर्मी परामर्शदाताओं की सफलता की संभावना को बढ़ा सकता है।
 - प्रशिक्षण और निगरानी बहुत महत्वपूर्ण हैं।
 - इसके लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता और उचित चयन, सतत समर्थन और निगरानी की आवश्यकता है, तथा ले और सहकर्मी-सलाहकारों का ज्ञान और कौशल पुनःजांचने और ताजगी लाने के लिए प्रशिक्षण आवश्यक हैं।
 - आरबीसीएम के उपयोग को अभी "सर्वोत्तम प्रैक्टिस" कहा नहीं जा सकता है। हालांकि, इसका परीक्षण किया गया और पाया गया कि यह कलंक (स्टिग्मा) के नकारात्मक प्रभावों को कम करने और परामर्श प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक भागीदारी में सुधार करने में प्रभावी है।

पुनरुत्पादन क्षमता और विस्तार क्षमता

अधिकार-आधारित पीयर-काउंसलिंग हस्तक्षेप को इंडोनेशिया के अन्य स्थानों पर भी दोहराया गया है। यह संभावित रूप से विस्तार योग्य है क्योंकि इसमें कम लागत वाले तरीकों और सामग्री का उपयोग किया गया, जिसमें स्वयंसेवी पीयर काउंसलर्स भी शामिल हैं। पीयर काउंसलर्स के प्रशिक्षण और हस्तक्षेपों की निरंतर निगरानी में लागतें शामिल हैं। पीयर काउंसलर्स के लिए समर्थन की भी आवश्यकता होती है। यदि इसे बड़े पैमाने पर लागू किया जाए, तो पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता होगी। हालांकि, प्रशिक्षित पीयर काउंसलर्स को कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों के अलावा अन्य लोगों की मदद करने में सक्षम होना चाहिए और इस प्रकार वे एक बुनियादी सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य सेवा का हिस्सा बन सकते हैं।

निष्कर्ष

SARI परियोजना ने दिखाया कि अधिकार-आधारित परामर्श हस्तक्षेप कलंक को कम करने, कुष्ठ रोगियों के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनके सामाजिक सहभागिता को सरल बनाने में प्रभावी था। यह हस्तक्षेप बेहतर होगा यदि इसे स्वास्थ्य या सामाजिक सेवाओं में संरचनात्मक रूप से शामिल किया जाए।

सन्दर्भ / आगे की पढ़ाई

1. वैन ब्रेकेल डब्ल्यू एच, सिहोम्भिग बी, जारिर एच, बेइकसे, कुसुमवधनी एल, यू लिहेन आर, एट अल। कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों में विकलांगता: हानि, गतिविधि, सामाजिक भागीदारी, भ्रम और भेदभाव की भूमिका। ग्लोब हेल्थ एक्शन 2012; 5: 1-11.
2. सेमिटीरोग एस, वैन ब्रेकेल डब्ल्यू एच। कुष्ठ रोग में भ्रम: अवधारणाएँ, कारण और निर्धारक। लेप्र रेव 2014; 85(1): 36-47.
3. पीटस' आर एम एच, हॉफकर एम ई, वैन ब्रेकेल डब्ल्यू एच, ज़्वीकहॉस्ट' एम बी एम, सेडाएफ एस एस ई, इरवंतो, एट

सर्वोत्तम अभ्यास: प्रभावित व्यक्तियों के बीच भ्रम के प्रभावों को कम करने के लिए व्यवहार -आधारित सहयोगी परामर्श

- अल। भ्रम को िछपाने और कम करने की एज[™]सी के बारे मेंकथाएँ: इंडोनेशिया के सिरिबन ज़िले मेंकुष्ठ रोग से प्रभावित मिहलाओं का एक अध्ययन। वीकलांगता सी बी आर इन्क्ल डेव 2014; 25(4): 5–21.
4. दादुन, पीटस' आर एम एच, लुस्ली एम, िमरांडा-गैलाज़ा' बी, वैन ब्रेकेल डब्ल्यू एच, ज़्वीकहॉस्ट' एम बी एम, एट अल। इंडोनेशिया मेंकुष्ठ रोग से संबंिधित भ्रम की जिटलताओं और साव'जिनक स्वास्थ्य के संदभ' मेंसामाजिक-आिथ'क हस्तक्षेप की क्षमता का अन्वेषण करना। िडसेिबल सी बी आर इन्क्ल डेव 2016; 27(3): 5.
 5. लुस्ली एम, पीटस' आर एम एच, ज़्वीकहॉस्ट' एम बी एम, वैन ब्रेकेल डब्ल्यू एच, सेडाएफ एस, बंडस' जे एफ जी, एट अल। कुष्ठ रोग से जुड़े भ्रम को कम करने के लिये आम और सहकम' परामश' दाता —, इंडोनेशिया मेंसीखे गए सबक। लेप्र रेव 2015; 86(1): 37–53.
 6. लुस्ली एम, पीटस' आर, वैन ब्रेकेल डब्ल्यू, ज़्वीकहॉस्ट' एम, इयानकू एस, बंडस' जे, एट अल। अधिकार-आधारित का प्रभाव इंडोनेशिया मेंकुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों मेंभ्रम को कम करने के लिये परामश' हस्तक्षेप। पी एल ओ एस नेगल ट्रॉप िडस 2016; 10(12).